

१ कामाक्षि पूजा मंदिर ॥

उत्तराखण्ड प्रान्त काश्मि

961

ASHA ARCHIVES

ॐ नमः चतुर्थांशं मन्त्राख्यं कृषि, लिवन, चकचास, यन्मात्रयतिर, स्व
भूमिस्थानात्तन, वाधिलकाव, नज, धाविधि, धधिलि, कठिलि, गल,
वदक, बुक्का न्यादि, मूलकामात्रीरु, धनरु, धव, २ मूलान, ईधंदाव, वा
यति यनवाय, गिव, गकियार्न, गिवयार्न, मकाए, गकियार्न, ठिकाए, ई
धदाव, मकाए, धगिवगकियाकव, वलियार्न, मकाए, धवलियाजव
स्ववसद्धनवलियू, १२ मवज्जा, म्यात्तनवय, धनरुमात्त, मूलकामालि
व, वलितार्न, लिखा, भनकवत्त, वलियार्न, मकाए, धयाज

नीकमस्तन्दु॥ वल्लुकार्यस्यादि॥ यथावानस्यादि॥ वाक्॥ ऊजमानस्य महानवमीयार्चन्य गिवगकि यूनानिमित्तार्थन॥ ऊजमानयानामकार्यधूनक॥ अनेन स्यादि॥ नर्थन॥ उक्तानक॥ अस्वयुर्व॥ वलिविसर्जन॥ अमुमस्तन निव गिकिविसर्जन॥ ॥ निमिवगकि कस्युका॥ ॥ ॥
विधुयारवहमस्तस्यायधूनकाव वाक्षवकायक॥ निवृत्ति भस्त्या सवा नू गनवा लायाव आगत ईधुविधु नववाक् धस्तितनयान आगतका य॥ ॥ निवृत्ति कर्मयाय॥ इधुस॥ विधुस॥ नवदवत्तस॥ नववाक्

स॥ याथयावक॥ दस्तयुकाकाय॥ ॥ नमोगलकामालिकातव न॥ ऊजमान योमाचयसिस् वसास्य विद्यावक॥ विनयुकाका ॥ ऊजसितास अकन दारुल मयावका कायाव॥ ऊजमान अकन दारुल काययक॥ माग॥ गलसत्या सिद्धलसा॥ वदकमाथया प्रीता सन॥ वक्तानीकमस्तन्दु॥ वावरावसहाजीडी॥ सिद्धिनस्तु क्रियावक॥ यथावानयुहावानीस्यादि॥ वाक्॥ ऊजमानस्य महानवमीयार्चन्य कोमानी अस्तित्तमित्तार्थन यथाराजन समर्थयामि॥ अत्रार्थनकाया

व॥ मधियर्क, विचितावम॥ धनलि, कस्तान, चित्त, धुहाव॥ खान॥
ममत्र, हावाकायाव॥ मूलयूक्या, वलि साहास, गाने॥ मवदवलस, गा
हकाय, यथ मारव, उकुधिस, ३ नववाहस, ४ नववाहस, ५ धूस, गाने॥
धनलि, चित्त, खानकाय॥ ऊजमानस, ममत्रकाय॥ म्मावाथति॥ धन
लि ऊजमान॥ धनलि, ऊजमानियनिर्क॥ धनलि, डया, ५॥ कस्तान
॥ धनलि, लवम, वाहावस, यनिर्क॥ ममत्रवल, कायाव॥ म्मावाथनेस
नेमथिस॥ जाययकाउलि॥ म्मकम, वाहस, जाहाव॥ दवविजय, धव

काव॥ ताऊकलरुलियनि, उद्धानवान॥ सिकामुलि, कातवन॥ ॥
कोमात्रीसगर्दी॥ जायथरुम॥ गलस, खनव, निजन॥ यीगवसु, वृष्ठा
यनी॥ खनवसु, माहयनी॥ नकवसु, कमानि॥ रुनीगवसु, वेष्वी॥ न
कवसु, मूलकामात्री॥ नकवसु, वावाही॥ यीगवसु, रुलादी॥ नकव
सु, सामुता॥ खनवसु, मलातकी॥ नकवसु, वदक, निजन॥ धनरु,
वसुनगयकाव, धकमन, रुकुरुचकावम॥ धनलि, नासिचक॥ धव
मरुन, गलग, म्मादित, सगर्दी, म्मकम, वाहस, वृचक॥ मूलकामात्रीय

कवचवादाव श्रुतम दारुत जाहाव श्रुतलियादधान ॥ साधु ॥ ॐ ॥ श्रु
मप्रिमासिद्धवसि यथासीवयागिनी ॥ निर्विघ्नवीचकुरु र्थं यागिनीवी
चमनक ॥ वाक् ॥ महानवमीयावचन कानावी श्रुतिनिमित्त्या (थन यथा
साधु ॥ रुतवचदायितारुवतु ॥ तमस्काव ॥ गलदि सगलं क्वाचक
रुय ॥ स्वाजन दवविजय दायक विक्वाचक ॥ दवत क्षावायिवन ॥
निष्ठाग ॥ द्वात्याख गयाव तसाय ॥ वलिनयिथ सगलं श्रुतमनुन
धान ॥ मया ल ॥ चनयनिक ॥ एका प्रकाननिवक्तुन श्रुतमनु भाव ॥

वदिविथ ॥ उमाथ विविधिका नायत्यादि ॥ ममाविथ शुचका सात्यादि ॥
ममरुत ॥ नावचा ॥ सगलनन ॥ स्वाथ ॥ स्वकि वाक् यदयाव स्वाथ ॥
चिग ॥ सिंथ ॥ सगलन ॥ स्वातन सगलरुत ॥ रुत्रियनिं नचक विथ
॥ सगलरुत ॥ श्रिया श्रुतियाथ ॥ थव ॥ मनुन ॥ सरुं श्रावति ॥ युतिष्ठा
॥ सुवनला ॥ सुवनदा ॥ सगलरुं नाहागतथियक ॥ धनलि ॥ गलय
गिन नावचा जानका व स्वकि वाक् यदय ॥ श्रावाथन तासा नाव ॥ र्
खन जानथस्य मृत क्षावा नविक्वाचक ॥ उमाक्षान यदपिव ॥

यमाश्वउकठिया ॥ ऊवतकया, दात, ऊवरुतस, चवकि याया व, कगा
तस तंखम ॥ ऊजमान थोसासी ॥ म्रयादि, मीसनेकउ ॥ नकवर्ष्या
दि ॥ वाक ॥ महानवमी यावन्त, कोमात्री म्रचनिमित्तिह्यार्थ, धीसूर्यायम
रुंथा म्रचनमः पूर्यनमः ॥ गद्ययति, नावायकाव, कयतिसविद्याच
क ॥ कयतिस म्रसुनन ॥ गद्ययति नाथयमूरुंथा, दमासुननमः ॥
दवन, वंसा चक विद्याचक ॥ ऊजमानर्था, यादार्थयाचक ॥ वाक ॥ गद्य
यति नाथय, मूरुंथा यादार्थनमः ॥ महानवमी यावन्त, कोमात्री म्रचनि

मित्तिह्यार्थनयादार्थनमः ॥ रुंथा, नादानसूरुयक ॥ ऊतिमत्तासवाचन
तंखरुयक ॥ गद्ययति नाथयमूरुंथा रुंथा नमः ॥ महानवमी या
वन्त कोमात्री म्रचनिमित्तिह्यार्थनरुंथा नमः ॥ गद्ययति नाथयमूरुंथा
पूर्यनमः ॥ दववूयाव, थडिलिया, ऊवस, डायथ, हावविद्याचक ॥ १ ॥
थकमर्त ॥ वक्रायनी ॥ माहवनी ॥ कामात्री ॥ वैष्णवी ॥ मृतकामात्री
॥ वानाही ॥ उद्यानी ॥ यामुंथा ॥ महानवमी ॥ वृद्धक ॥ थगर्त, थव
नामरुकाहर्क ॥ दमासुन, यादार्थ, रुंथा, पूर्य, सकर्तिउधमा

॥ धनति, श्रवार्थन, दव, काथिका, इवमश्व, सायाव, आयथदम
सकामात्रीयाकवत ॥ श्रवार्थ, ऊजमान, निष्कासन ॥ श्रुत, दारु
दाव ॥ श्रमरुतयाय ॥ वास ॥ श्रमलिभासिदवसिह्यादि ॥ महा
ीयार्थन, कामात्री, श्रुतिमिता, धन, यथसास्मा, रुतदायिभार
॥ ऊजमानन, यव, यथयस, रुक, रुकयेह ॥ कामार्थन ॥ धिति
॥ कलिति ॥ गहस ॥ कुरुक ॥ श्रदिन ॥ सगर्न, ऊजमानन ॥ धन, यिगाल
॥ स, तास, स्व, क्षासाधन ॥ दानावस, स्व, क्षासाधन ॥ धिति ॥ कदि

सिस्, वन, सिध, मादनी, दिष्टि, कर्तयगाका, यययगाका, श्रुदवातम, ॥
खान, लाखान ॥ गहस, वा, वदकवात, सिधन, श्रुदवलुयादमचक
वक्रादिनोद, मूलकामात्री, यमर्न, सिधन, रुतकयाद, मचक ॥ मा
नमचक ॥ मिस्वास्वातक ॥ ॥ खान, लाखान, लाखान, ऊजसका,
यगाका, खानमालम ॥ ॥ ऊजमान, यथरुतनयाचक ॥ द
मूलकामालियाकवतयादाव ॥ श्रुदयागमयाव ॥ श्रुयादि ॥ ह
य ॥ युवतमस्काव ॥ उयचउयायास ॥ वगिहीयास ॥ कामालिया

॥ वाँ कतिरु काय नमः ॥ ब्रह्मादिमलुनकन, श्रुत न्यास ॥ नमो यजुर्न ॥
व ॥ वृक्षा न्यादि ॥ श्रुत न्यास, वरु, वनीसी ३ ॥ श्रिया अति ॥ वं गं थं दं
मुं श्री वा ना हि वि च या दू कां ॥ श्रि वा ॥ वरु ॥ वलि ॥ श्रु वा क ॥ काल
श्रु ग न्मा दि ॥ ब्रु नि क दि लि यु जा वि धि ॥ २ ॥ नमो ग ल स यु ज
न स ॥ गं श्रु का य रु द ॥ गं कतिरु काय नमः ॥ गी श्रु ता मि का य सा हा ॥
म ता य वा य द ॥ गं न र्क ना य द ॥ गं श्रु का य नमः ॥ गं श्रु का य
॥ ब्रह्मादिमलुन, श्रुत न्यास ॥ नमो यजुर्न ॥ श्रि द व ॥ श्रु वा क ॥ वरु ॥

॥ मृतास्तनाय नमः ॥ वं गं गी गूं गं (मं) मुं (मं) श्री क र ग ल श्र वा
की ॥ श्रि वा ॥ वरु ॥ वलि ॥ श्रु वा क ॥ श्रु ग न्मा दि ॥ श्रु ग न्मा
दि नु य ॥ ब्रु नि वं द स ग ल य नि यु जा वि धि ॥ ३ ॥ नमो वरु क
॥ श्री क सि स ॥ न्यास ॥ वं श्रु का य रु द ॥ वाँ कतिरु काय नमः ॥ वाँ
मि का य सा हा ॥ वं म श्रु मा य वा य द ॥ वं न र्क ना य द ॥ वाँ श्रु का य
द ॥ वं श्रु का य रु द ॥ ब्रह्मादिमलुन, श्रुत न्यास ॥ नमो यजुर्न ॥ श्रि द व
श्रु वा क ॥ वरु ॥ मयु ना स ता य या दू कां ॥ वं वाँ वी वूं मुं श्री क र
श्रु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नीयाजवत् कामात्रीयूजा ॥ न्यास ॥ कं श्रुताय रुद्र ॥ कौं कतीरु काय तमः ॥
कीं श्रुतामिकाय स्वाहा ॥ कूं म (अ) माय वो मद्र ॥ कैं नर्ज नाय रुद्र ॥ कौं श्रुताय
यव मद्र ॥ कं श्रुताय रुद्र ॥ एवंप्रकाशना श्रुत न्यास ॥ नमो भगवते ॥ शिदव
॥ श्रीवाद्य ॥ स्वस्व मूडा ॥ मयूनास्त्राय यादकी ॥ ॐ वं कं जं जं जं ॥ वां वं कामा
त्रीविद्ययादकी ॥ शिक्षा ॥ प्रउद्ग ॥ वति ॥ श्रीवाद्य ॥ शिनि रा मू ॥ ॐ ॥ नमो
गन्धादि ॥ विन्दुप्रथ ॥ ॐ नमो कामात्रीयूजाविधि ॥ ॥ नमो वैष्णवीयूजा

नं ॥ कामात्रीयाजवत् ॥ न्यास ॥ वं श्रुताय रुद्र ॥ वौं कतिरु काय तमः ॥ वां
श्रुतामिकाय स्वाहा ॥ वूं म (अ) माय वो मद्र ॥ वैं नर्ज नाय रुद्र ॥ वौं श्रुताय
यव मद्र ॥ वं श्रुताय रुद्र ॥ एवंप्रकाशना श्रुत न्यास ॥ नमो भगवते ॥ शिदव ॥ श्री
वाद्य ॥ स्वस्व मूडा ॥ मयूनास्त्राय यादकी ॥ ॐ जं टं ॐ ॐ ॐ ॥ वां टं वैष्णवीवि
द्ययादकी ॥ शिक्षा ॥ प्रउद्ग ॥ वति ॥ श्रीवाद्य ॥ शंख मूडा ॥ ॐ ॥ नमो गन्धादि
॥ विन्दुप्रथ ॥ ॐ नमो वैष्णवीयूजाविधि ॥ ॥ दधुत् मूलकोतात्री मया
संताप्य ॥ ॥ नमो वावाहीयूजने ॥ मूलकामात्रीया नजवत् ॥ न्यास ॥

वं श्रुताय रुद्र ॥ वं कनिरुकाय नमः ॥ वं श्रुतामिकाय साहा ॥ वं मध्यामाय
वोषट् ॥ वं गुरुनाथ रुद्र ॥ वं श्रुताय वषट् ॥ वं श्रुताय रुद्र ॥ एवं यका न
श्रुताय ॥ गमायुजनं ॥ विदव ॥ आवाक ॥ स्वस्वमूडा ॥ महिषासाय
॥ लेंज नं चंदं धं नं वृं नं वा नाहिविचयाइकी ॥ विष्णु ॥ प्रउर ॥ वलि
॥ कालमूडा ॥ श्रुताय नमः ॥ विदुषय ॥ नृति वा नाहियुजा
॥ गमायुजाय तीयुजनं ॥ वा नाहीयाजवत् ॥ न्यास ॥ यं श्रुताय
रुकाय नमः ॥ श्री श्रुतामिकाय साहा ॥ यूं मध्यामाय वोषट् ॥

॥ श्री श्रुताय वषट् ॥ यं श्रुताय रुद्र ॥ एवं यका न श्रु
तायुजनं ॥ विदव ॥ आवाक ॥ स्वस्वमूडा ॥ गजासाय याइकी
॥ वं रुं मं वृं यं गीं नृताय तीविचयाइकी ॥ विष्णु ॥ प्रउर ॥ वलि
॥ कालमूडा ॥ श्रुताय नमः ॥ विदुषय ॥ नृति नृताय तीयु
जाय ॥ गमायुजाय तीयुजनं ॥ नृताय तीयाजवत् ॥ न्यास ॥ वं
श्रुताय रुद्र ॥ वं कनिरुकाय नमः ॥ वं श्रुतामिकाय साहा ॥ वं मध्यामा
य वोषट् ॥ वं गुरुनाथ रुद्र ॥ वं श्रुताय वषट् ॥ वं श्रुताय रुद्र ॥ एवं य

[illegible]

महामयूतनाथयादूकी ॥ ध्यान ॥ ॐ महामयूतमावूडा कामात्री बालवूः
यिनी ॥ वक्रवक्रयनी धाना वक्रमांता वसाहिनी ॥ वक्रयूयसुखादवी सिम्ब
नामूनविग्रहा ॥ एकवक्राचिनगेश्वर मूडमातावलीविनी ॥ गकिश्वक
नादवी विन्कायाव धानिनी ॥ कालाकेशगमादवी वटवृकनिवासिनी ॥
याभ्ययी ॥ हिनातिरी कामात्रीधनमासुन ॥ ॐ श्री कामात्रीमूर्त्यध्यानः
यूर्धनसः ॥ ॐ श्री कामात्रीविद्ययादूकी ॥ ॐ वक्रायनीदवीयादूकी ॥ ॐ सा
हयवीदवीयादूकी ॥ ॐ कामात्रीदवीयादूकी ॥ ॐ वक्रवीदवीयादूकी ॥ ॐ वा

[illegible]

आदित्या मनुथवत्सर्न ॥ मूर्त्तिस्वाहा ॥ स्नातु ॥ संवर्तु ॥ हं ना स्वाध्या
मस्तु ॥ त्रकाम्बरी ॥ बुध्नाति ॥ कमलम् ॥ मार्कट्या ॥ यादवी ॥ बालः
राव ॥ मूर्त्तिस्वाहा ॥ कामात्री ॥ ऊर्ध्वान्नयन्नावासादि ॥ वाक् ॥ महानवमी
पार्वत्या कामात्रि मूर्त्तिमिति स्मार्थेन ऊर्ध्वान्नयन्नावासादि मूर्त्तिमिति
पवाती सप्तमस्तुतिवावासा मूर्त्तिमिति स्मार्थेन ऊर्ध्वान्नयन्नावासादि मूर्त्तिमिति
सक्तान् वृद्धिस्तु ऊर्ध्वान्नयन्नावासादि मूर्त्तिमिति स्मार्थेन ऊर्ध्वान्नयन्नावासादि मूर्त्तिमिति
॥ गयन ॥ मूर्त्तिकामात्री पूजा विधि ॥ ॥ तिग्मनावासादि ॥ धनलि

सहियाक कर्तनी ॥ गिव गकिया कवन ॥ आगतन ॥ थलिलि कदिलि आदि
न ॥ मूजाया हा ककर्तनी वंता चय तिस वास या जाउ दय या चकई ॥ धव
या ऊव स थं म्याल ॥ खव स लं ख म्याल ॥ गिव गकिया थं ॥ नरिसा काथ
धव सक नरिसाई ॥ थनलि गल आदिन समल स्यनं ऊवन थं म्याल ॥
खवन समन हा माव शक दहाव जात कई ॥ आचाय मूल कमावीया
कवन साहाव ॥ मूय या गुजा हाव नय नयाय ॥ विनय ना सादि ॥ वाक
॥ महान वमी या चं न्य कामा वी मूय नि मिथ्या थन ऊजमा नया ना सकास्य

धूनक ॥ आचा थन ॥ लऊ कथा सु उ कि चिकुति भाद तक ॥ खज सि दिनः
सु आय थरु तिमानक ॥ थलिलि कदिलि आदिन मूजाया हा ककर्तनी
सायय कई ॥ आचा थन नासुयक ॥ सायय कई ॥ कति शमाल ॥ ठारु क
मासम कई ॥ थम्याल शक मासम मति ॥ थम्याल स लं ख म्याल स लं
उनु भाव कास्यई ॥ धून समन ना जात कई ॥ धून नयन ॥ मूला विस
मिथ्यादि ॥ वाक दध थं ॥ धून समन ना माव नयक ॥ धून समन हा जाः
न कई ॥ थम्याल स लं ख म्याल स लं ॥ उनु श कास्यई ॥ अविना सा सादि

वाकनसह ॥ काधम्याततातमयक ॥ ॥ आवाथन, हाथन, धाया ॥ ॥
प्रवक्तृका काय, नरि ॥ विधसयाकका, आवाथन, विधस, कर्मल
उर्विजोयक ॥ धक्कलतुका, कामालि, लिहाविकानदाव, लिहश्काहा
मसकाय ॥ उयाध्याही, स्वस्तिवाययदय ॥ आवाथी, मूलकामालि
व, वलिनवादाव, युजायाय ॥ ॥ विमलनाचम्य ॥ श्रुयादि ॥ उ
ननमुक्ताव ॥ श्रुवधुमधुलाकारल्यादि ॥ वेअयमासाययाइकी ॥ वेअ
कामालायायाइकी ॥ श्रु ॥ वनीसियास ॥ उयवधुयायास ॥ जनया

॥ श्रुयायाययुजा ॥ स्वनयुधि, श्रुलमयुजा ॥ मालिनीय०त् ॥ यप्रवलि
दयान् ॥ यधिमरुलिरकर्मखादयाय ॥ लाकमहावलि ॥ श्रुकाक ॥
अनू, यानिमूडा ॥ धूप, दीप, नेवद्य ॥ जाय ॥ शाह ॥ सवली ॥ वन्दस
त ॥ पीसासन ॥ सिंदूरसा ॥ पीणवनाल ॥ वातराव ॥ रसीयुवा ॥ काला
युयाइकामानी ॥ ऊयवानयुवावाध्यादि ॥ वाकनसह ॥ ऊजमानया
नामकासीधूनक ॥ श्रीनयुयादि ॥ गयान ॥ एकानक ॥ ऊखीखाखात ॥
शायमगावा, धर्क, आवाथन, दवकहन ॥ शायमगादाव, जा, कचन

धी ॥ ॥ महासूक्तवलि विथ ॥ ॐ नमो नमः ॥ अथादि माहनक्षत्र मार्ग
 धार्थ ॥ सुन्नमस्तु नादि ॥ जलयाग ॥ अथ याग पूजा ॥ हनगुदि शास्त्र पूजा ॥
 सवस्तुन आवाहन ॥ सिद्धव आगिति ॥ आवाक ॥ स्वस्व पूजा ॥ यक्षि मधयुः
 नैसकर्म स्वाहयाय मात ॥ धवलिह ॥ हनुरे नवदनु नियाय ॥ ॐ नमो ह
 नुरे नवाय ॥ न्यात ॥ ॐ ॐ ॐ हनुरे नवाय अन्नाय रुद्र ॥ कनसाधनी ॥ ॐ ॐ ॐ ह
 नुरे नवाय कतिरुकाय नमः ॥ ॐ ॐ ॐ हनुरे नवाय अन्नाय रुद्र ॥ ॐ ॐ ॐ ह
 नुरे नवाय मधमाय वायव ॥ ॐ ॐ ॐ हनुरे नवाय मधमाय वायव ॥ ॐ ॐ ॐ हनुरे

क २ स्वाहा ॥ **ॐ ह्रीं कीं ह्रीं ह्रूं** नमः क तमः ॥ **ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं** य नमः मूः
य नमः ॐ नमः ॥ ध नमः वलि ॥ ॥ य नवलि मरु ॥ **ॐ नमः** मरु माथ **ह्रीं**
ह्रीं उता कं गी **ह्रीं** २ सिद्धि २ **कीं** २ ध नय २ यूर ध न धा न्य नत्त सुवर्ध
ध न धा न्य हि न धा न्य क उ न्य मरु न् सिद्धि द दित मरु (गोत्री) मृति म
हाम धा य सो मृ न् ना ध सो रा म्य सर्व दी य त मरु कर्म कनी सिद्धि याम् ॥
य नय **२ कीं** सर्व म ना न धा सर्व र्थ य दी व र्थ २ व र्थ य य २ पाट य २ ति धि द
द २ र ग र्ग ए व र्थ सिद्धि क न् २ ध न २ **कीं** २ **ह्रीं** २ नत्त म र्थ व र्थ २ रः
१ य सो उ म र्थ द द २ यूर ध न म् सो रा म्य द द २ ति धा न धा न्य हि न धा न्य द द २

व न् न य कान् मा व र्थ य २ म् रा ह्य य २ गी ना र्थ द द २ मृ वि र्थ क न् २ न मा
मरु रु न् रु न् वा य य क ना र्थ **कीं** ३ **ह्रीं** ३ **ह्रीं** ३ मरु ग र्ग ना ग य २ मरु धः
न द द २ म म र्थ ध न् य य क २ सिद्धि (गोत्री) **ह्रीं** २ नमः स्वाहा ॥ स्वा क मरु व
ध न धून क ॥ म् रा व र्थ ॥ म म न मृ दी द ग य र् ॥ वि न् रु य ॥ धू य दी य न
य ॥ **ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं** स्वाहा ॥ धा न १०८ ॥ स्वाहा ॥ गी र्थ व र्थ ॥ ॥
रु न् रु न् वा य ॥ न मा रु रु न् रु वा य क र्थ वी न् रु न् रु य र् ॥ र
य व र्थ न मा रु ग ॥ क यि य क मरु ग र्ग व य कान् रु ध र्थ नि

हामर्ज, चित्तजायनभामुग ॥ उँका नखमहादीकि, यापिनी
जीकारनभाहनाकहि, रुज्जना कनमासुग ॥ हँकारनगर्जिनी
यापिरुयकन ॥ यभावाजतमाधन, रुमया कनमासुग ॥ रुः
दकाधर, सद्यत्रिकयकावनी ॥ मृदुनाजवनीयहँ, हनुमनीन
॥ बलकल्लमकल्लमय, कल्लुज्जकनूवृत्ता ॥ मुखवाववहकला
नालागिधनमासुग ॥ वकासवधनीयव, वकमुद्रानुप्रयनी ॥ कल्लनीद
हदीकधर, विद्यवृषनमासुग ॥ दक्षिणानावसिंहधर, एवमवर्तुसुदीपिनी

हँहँ रुद्रुद्रमर्दधर, रुयानकनमासुग ॥ यक्षिमतार्कपिगधर, वज्रमुल्लम
कावली ॥ उँनीकाँडीहँरुद्र, उगानकधर नमसुग ॥ उरुमधुकनमसुग, रु
मोदमहावली ॥ उँगुाँहँहँहँरुद्र, वनारुधर नमासुग ॥ कल्लनागविता
नागालसिद्धिदायक ॥ सर्ववृषत्रिवाजधर, वज्रधारनमासुग ॥
ननीमोड, जीवनायवज्रवहनी ॥ हँहँहँरुद्रमरुयकन, दान
॥ कयीदीपधर वकानी, नागसिंहधर मार्कक ॥ गुरुवधर व
नमासुग ॥ दगहिसुकनयक, नवलवलिनीयक ॥ श्री

१. धानिगधर नमो भुग ॥ स्वप्न विग्रह स्वदाद ॥ पाप्मकृपागः
कमुमुगलं, मुखिरुर्न नमो भुग ॥ उष्ट्र कला न वदनं, जिः
वृत्रिर्न ॥ यथा स न पदरु पाद, यथा न क नमो भुग ॥ कलमानं
गज, गजमल्लभुमधुर्ग ॥ यथा स नाय विष्टु, यथा ग्रीह नमो भुग ॥
इत्युष्ट्र निरीदरु, यथा गमि वसुनिर्न ॥ सुश्रु काटिष्ठमिकार्ग, दह नृय नः
मो भुग ॥ दुर्ग स नाच न काय, यत्र स नाचरु भुर्न ॥ गधुर्ग स नाच न चैव, स ना
रु भुग नमो भुग ॥ यथा दुर्गमि निदव, साधक ह्य विनाय नः ॥ रु (मो) रु वति

दुर्गमि, दुर्गमि न नमो भुग ॥ यथा वरु स्यमकुती, वरु न्यासी विनाय नः
४। न (मो) नाज कुलदुर्ग, विवाधर्न नमो भुग ॥ आह वरु महायात्र, गुरुमि
वि वि ध्वयुच ॥ स न लज्जय माध्यानि, रुय नृय नमो भुग ॥ यत मा ला गमा
निर्न, सर्व न चाय सानक ॥ मद्य मा सा सुवेदिर्न, यजनीय नमो भुग ॥ वा
युजाय वीनाय, स न व न्यय वदिर्न ॥ लं काय स थर्न दव, नाम स रु नमो
भुग ॥ किर्कि स्याय महावीर, महा वलय नाकर्म ॥ उला क दूजिर्न दव, न
जा स रु नमो भुग ॥ एक कार्नि दि कार्नि वा, शि का ल य १० ले नः ॥ अरि क

नदुहिर्दुहवक्य, नवमानोषधरुण। नखोनामिहयं गुरु, सर्वजन्म नमाहुम॥
रुसर्दयव, वापुर्लसिर्दिनमाहुम॥ विष्णुहवनमहाधाम, रूपायस्मान्नमा
भर्त॥ यन्नयक्यमथर्न, यायुर्भर्तानमाहुम॥ सर्वभक्तिकवन्तिह्य, स
र्ववक्षायवानक॥ सर्वसिद्धिप्रदातारं, रूपासिद्धिनमाहुम॥ सर्वव
हनून्नुदाय, गुरुसंहननलयच॥ एकवीनश्चनंदव, कथिवाजंनमाहुम
॥ नृसिंहीरुवायुधविनविनायीप्रहनुर्हववक्षार्थसमाय॥ ॥
ब॥ ॥ नृहानवमीपार्वत्य, हनुर्हववद्वान्तनिमित्तार्थन॥ ऊजमान
या॥ नृकारंनृनक॥ नृविनवान॥ माहवाह॥ सित॥ मूल॥ इन्द्र

या॥ अदिन॥ वास्यावटकाह॥ नरिंभमाल॥ शायगुमालाधर्कहत॥
गमनदाव॥ धवली, सलाकनकभ॥ आचार्यहीन, अर्धयात, जाहाव॥
नर्थनयाथ॥ ऊयनिका॥ वाकनसह॥ गुरुक्यामु॥ स्वप्नसिद्धिनु
धय॥ नरिंउर्थमाल॥ यागवासभ॥ समयहाल, नरिं॥ शायगमन॥ ना
वायक॥ नावायकानागास, धम्याल, लीखम्यालभ॥ कुमारियाहक॥ व
स्वाककक, हायावभ॥ नृयनिकसभ॥ नवलिसिस्, धयमालक॥
ज्ञान॥ शगवलासूयक॥ माकसिलियालभ॥ गमयदक्षिणदमदधा

न, तर्हि, कायमाल ॥ कसालिह, गवय, कसुलिधन, भाट २ ॥ ऊजमानत
काय ॥ आचार्यन गवय १० दक्षिण काय, माल ॥ कसानीन, दारुह, इसा
नजानकम ॥ आचार्यन, सानजा हाव, सुखउवलिधिखं ॥ वाक ॥
उरुहा ॥ यासा, नकामि ॥ उरुधोव ॥ वाक ॥ महानवमीयावय, कसा
नीजागमर्जनयादि ॥ ऊजमानस्यरुसीकाय, नरिया ॥ पुनखानजान
कम ॥ वाक ॥ हंसिपूर्वाधिकानी, मूनाद्विद्वगजाननागीरुवानी
गीद्वनीकडिकाका, नवनवसहिता, गीसिद्धि, तमीयनाका, रासा, नाका

यनाका, गिद्वनऊननी, नाजनाजधवीर्ह, एकासानकयूया, सकलरय
नीनोमीधवीकसानी ॥ वाक ॥ कथथ ॥ ऊजमानत, रुसीकायनरि
सुखधवलि, विसर्जन ॥ एकातक ॥ मूनायूर्व ॥ वलिधाय ॥ उरुव
थलिवक ॥ उयाका ॥ थयवि ॥ समा, मावयक ॥ कायरुडिलि
यातू ॥ निधव ॥ समयरुनाव ॥ थकसन, वलियाकव २, धनलि
॥ लिशायममव ॥ वाजन, समाल ॥ ॥ धनलि ॥ खडुकथिस
॥ ककतउजा ॥ नूमाधससकाय ॥ वाजनवकि ॥ धनलि ॥ उया

आदिन समस्त उर्ध्वमाला ॥ धनलि ॥ कृष्णलज्जुजा ॥ धनलि वायाः
लज्जुजा ॥ धनवृन्मादसकाय ॥ ॥ मूलकमालिनी ॥ सवाजनन ॥
वज्रय दायक ॥ धनलि ॥ उवाका आदिन समस्त उर्ध्व ॥ नवजान
ले ॥ धनलि ॥ नवल्लिनिधिग ॥ ऊजमानर्क ॥ आचार्यर्क ॥ स्नानक
॥ वाक् ॥ सर्वसङ्गतमाङ्गलयादि ॥ वाक् नरह ॥ कृमात्रिदद्याय
हानवाशरुवकु ॥ नमस्त्रायराहाव ॥ उवाधन ॥ विज्ञाचक ॥ धन
ले ॥ वायाकृमात्रिज्जुजा ॥ धनधवनाय ॥ सिकमयुलिरुकाय ॥ धनलिध

यहायावानामस्वनकलीकसकाय ॥ ॥ ऊजमान आदिन सकवश्यन
सानकृमा दवहलवन ॥ वृष्य ॥ निगह कलाकाय ॥ उवाधन सय ॥
आगनन ॥ नववा दवज धिलि १ चवा बात्राकवलि ४ कलस १ कृष्ण
स्वकुवत ३ सयि ४ १ लिवला १ कलक १ धनद्वनयार्ग ॥ ॥ यिधू
र्क ॥ धिलि नववा १ वालाकवलि ४ कलस १ कृष्ण १ स्वकुवत ३ धनधि
धूर्क ॥ ॥ नववाशयार्ग ॥ नववा धिलि १ रगवति १ चवा स्वकु १ कलस
१ कृष्ण १ सकलर्क १ धननववाशर्क ॥ ॥ नवधवतर्क ॥ नववा

योधरु १ चक्र १ गतिधन १ यक्षिमा १ उद्धतध्वनी १ निखा १ महाकाल १ मारु
का १ गहस १ साहिक २ लिखल १ बलितोहा १ ॥ चक्र १ रुद्रयनिस १
यहायावातासर्ग कलंकयार्ग ॥ ॥ ऊजमान र्यसाही दालकवनवि
आचक ॥ आचार्य शोसाही कीरवातास मूलियुहुगयाव द्यलकका
दम ॥ आचार्यन जाहावन ॥ वाक ॥ लाक्षा नसनिहादवीत्यादि ॥ ऊजमा
नन समय ककूति वातास गयकाव ॥ ऊजमान ज्ञाय ॥ स्वातसायाव ॥
गयनयाहाव मूलिनमय ॥ धमूलि ऊजमानादि ॥ आचार्यन गयव

नाथ ॥ यिनयना ॥ मूलविगति ॥ मविनासा ॥ लाक्षा नव ॥ ऊयनिका
कनरु ॥ कलंकयूजा ॥ दवल कलंकसकाय ॥ चयनिवान आग
यावकाय ॥ रुद्रयनिस उतायकाय ॥ वायुय ॥ आचार्ययूजा ॥ दकि
रुद्र दूधरु ॥ यिथरु ॥ नवनाथरु ॥ आचार्यरुद्र ३ धाम ॥ धम
कसम ॥ दव आदिन ॥ आचार्य ॥ उया ॥ ऊजमान ॥ ऊजमानी ॥
आदिन सकलरु ॥ ग्वाल भाकसिलयातविश ॥ ककूलरु नवि लिवा
यकाव लसकाहीगया ॥ वाचनलख कगालतगयाव ॥ का मरुखान का

याव ऊजमान श्रविशस्य ॥ चम सिंह भादनी धलपिभाव आयथका
व ॥ खानन ॥ साविथय ॥ गवयकाथक ॥ धमद्वतयाविधि ॥ ॥
माघालयूजा ॥ शिगूलचूकपिहायाव ॥ मूलचूकया मूलनवसाखी ॥
लथित लखन ॥ चिन सिंह खानन ॥ यूनन ॥ गीयनमः ॥ मखरसि ॥
थनमः ॥ खवरसि ॥ खवरसि ॥ खवरसि ॥ खवरसि ॥ नन्दिननमः ॥ द्वा
व ॥ महाकालायनमः ॥ घालखव ॥ दहल्येनमः ॥ कखदस ॥ वाक
लहिक वाकलरुसन ॥ मछलस मगाविथक ॥ ब्रह्मवयाव ॥ मूल

चूकया वंकलिया रीगा लकननिखी ॥ रीकलिया रीगालकभा चूकदूया
व द्वात प्रमि डर्थमाल ॥ धतलिवलिलाहानधनक ॥ धमनवमीक
क्रुघालयूजाविधि ॥ ॥ ॥ द्वत दधकदूया र्थमनविथ
माल ॥ न्तिमहानवमीया वन्य कमात्रीजागम चनविधिसमाक ॥ ॥

कविदत्त

वदकेशेनव

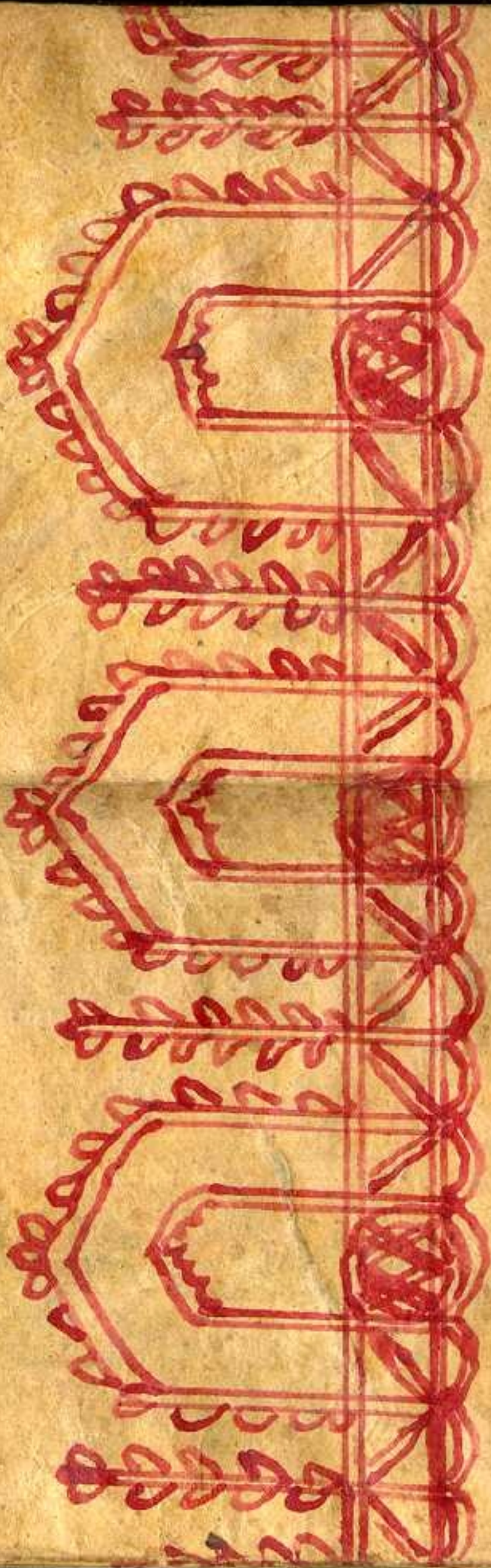
महासन्धि



वायुः

भूः

वायुः



उज्जयिनी

सुरकमाना

वेदना

आमाना



वेदनि ०००
अर्थयण
अन्वय

गक्षिवनी

वृक्षादी

गक्षयनि



ପାଣ୍ଡିନୀ

ଶ୍ରୀମତୀ

ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣାକା

୧୧୧୧୧୧୧୧

ମାତା

ପିତା

